11/7/24

पत्रावली पेश हुई। वादी अनु.। आवेदक प्रतिवादी अनु.।
प्रकरण में मूल वाद विक्रय किये जाने से इस पत्रावली
में कोई कार्यवाही शेष नहीं रहती है। अतः कार्यवाही
शेष नहीं रहने से पत्रावली को इसी स्तर पर ड्रॉप
किया जाता है। पत्रावली मियाद शुमार दाखिल दफ्तर
से जमा हो।

निर्णय सुनाया गया।

Signature Not Verified

Digitally signed by Ramesh Chandra Bahediya
Date: 2025.02.06 15:21:01 IST
Reason: SelfAttested